''गणपति बप्पा मोरिया...'' के जयकारों से गूंजी छोटीकाशी

विघ्नहर्ता गणेशजी के दर्शनों को उमड़े हजारों श्रद्धालु, कतारों में लगकर किया इंतजार

जयपुर (कासं)। गणेश चतुर्थी पर छोटीकाशी गणेशमय हो उठी। हर ओर गणपति बप्पा मोरिया...जय गणेश का जयघोष सुनाई दिया। गणेश मंदिरों में भगवान गणपति का जन्मोत्सव भक्ति भाव के साथ मनाया ही गया।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर से लेकर, परकोटा गणेश मंदिर, नहर के गणेश और गढ़ गणेश मंदिर सहित अन्य गणेश मंदिरों में हजारों की संख्या

- **घर-घर में हुई प्रथम पूज्य विनायक की पूजा, लड्डु, मोदक और गुड़धानी का भोग लगाया**

में भक्त पहुंचे और रिद्धि-सिद्धि के दाता के दर्शन किए। घर-घर में भी लंबोदर का पूजन हुआ। घर-घर में विघ्नहर्ता का भक्ति भाव से पूजन किया गया। घर के द्वार पर विराजित द्वारपाल गणेश का जल, पंचामृत से अभिषेक कर सिंदूरी चोला धारण गया । डंका अर्पित कर लड्डु-गुड़धानी का भोग लगाया गया। परिवार के सभी लोगों ने आरती उतारी। गणेश चतुर्थी पर अनेक शुभ योग बनने से गणेशोत्सव के प्रति लोगों को उत्साह साफ दिख रहा था।

गणेश चतुर्थी के मौके पर लगभग सभी बाजारों में भारी रौनक रही। लंबे समय से शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रहे लोगों ने बुधवार को वाहन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, शादी-सगाई के लिए ज्वेलरी खरीदी। लोगों ने फ्लैट और प्लॉट भी खरीदे। ज्यादा से ज्यादा बिक्री के लिए कंपनियों ने आकर्षक ऑफर भी दिए।

छोटीकाशी के सभी गणेश मंदिरों में सुबह से देर रात तक लाखों श्रद्धालुओं ने प्रथम पूज्य के दर्शन किए। मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सर्वाधिक संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि स्वर्ण मुकुट और पारंपरिक नौलखा श्रृंगार से अलंकृत गणेश जी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में भारी उत्साह दिखा। सुबह चार बजे जैसे ही मंगला झांकी के लिए मंदिर के पट खुले तो हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा से जयघोष से मंदिर गुंजायमान कर दिया।

गणेश चतुर्थी पर्व पर मंदिरों में भगवान गजाजन की पूजा-अर्चना और अभिषेक किया गया। मोतीडूंगरी स्थित गणेश मंदिर में प्रथम पूज्य विनायक के दर्शनों के लिए भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन किए

भगवान श्री गणेश सुख और समृद्धि के दाता : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर जयपुर स्थित मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर जयपुर स्थित मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी के पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री गणेश सुख और समृद्धि के दाता हैं। प्रदेश में इस बार अच्छी बारिश हो रही है तथा हमारा प्रदेश हरियालो राजस्थान की ओर आगे बढ रहा है। साथ ही, किसान, महिला, युवा और गरीब के विकास से विकसित राजस्थान के संकल्प को गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास से गणेश चतुर्थी का उत्सव मनाया जाता है। शर्मा ने कामना की है कि विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश जी की कृपा से सभी प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली और सुख समृद्धि आए। इस दौरान ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य व्यापक स्तर पर जारी

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश में अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य व्यापक स्तर पर जारी हैं। विभिन्न क्षेत्रों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं सिविल डिफेंस की टीमों द्वारा भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों से 792 व्यक्तियों का सकुशल रेस्क्यू किया गया है।

एसडीआरफ नियमों के अनुसार अतिवृष्टि के दौरान डूबने, बहने तथा आकाशीय बिजली के गिरने से मृत्यु होने पर मृतक के आश्रितों को 4 लाख रूपये की राशि दी जा रही है। प्रदेशभर में अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में एसडीआरफ की 57 और एनडीआरएफ की 7 टीमें 24 7 बचाव एवं राहत कार्यों में लगी हुई हैं। वहीं, सिविल डिफेंस की टीमें भी निरन्तर रूप से कार्य कर रही है। प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को एयरलिफ्ट करने के लिए भारतीय वायु सेना का हेलिकॉप्टर भी नियोजित किया गया है।

इसी तरह, प्रभावित लोगों को राहत शिविरों के माध्यम से आश्रय प्रदान किया

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रभावितों को दी जा रही है सहायता**
- **मानसून के दौरान अब तक 792 व्यक्तियों का किया गया सकुशल रेस्क्यू**

जा रहा है तथा प्रभावित क्षेत्रों में क्षितग्रस्त मकानों एवं सार्वजनिक भवनों का सर्वे भी करवाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस मानसून के दौरान अब तक (26 अगस्त) कुल 528.60 एमएम वर्षा दर्ज हुई है जो कि सामान्य वर्षा 344.74 एमएम से 53.33 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने व एनडीआरएफ, एसडीआरफ तथा पुलिस प्रशासन को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं।

बंगाली बाबा मंदिर में गणेशोत्सव की धूम

जयपुर। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा आत्माराम ब्रह्मचारी गणेश मंदिर में बुधवार को गणेश चतुर्थी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर जहां प्रथम पूज्य का श्रृंगार भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा,वहीं ख्यातिप्राप्त भजन कलाकारों ने प्रथम पूज्य को रिझाया। इस दौरान गणेश भगवान के दर्शनार्थ भक्तों का तांता लगा रहा।

मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल व उपाध्यक्ष व संयोजक संजय पतंगवाला ने बताया कि गणेश चतुर्थी के तहत होने वाले कार्यक्रमों का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया था। सर्वप्रथम मंत्रोच्चारण के बीच प्रथम पूज्य का मोदक अर्पित किए गए। इसके बाद विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। इसके बाद प्रथम पूज्य के समक्ष लड्डुओं की झांकी सजाई गई। इस दौरान मंदिर में आने वाले भक्तों को प्रसादी भी वितरित की गई।

महामंत्री गजेन्द्र लूणीवाल ने बताया कि महोत्सव के तहत प्रथम पूज्य का फूल बंगले में विराजमान किया जो भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा।सुबह से देर रात तक आसपास के भक्त प्रथम पूज्य के दर्शनों के लिए आते रहे। इस दिन शाम को भजन संध्या का आयोजन हुआ।

महात्मा गांधी विद्यालयों के सरप्लस शिक्षकों को अन्य स्कूल में पदस्थापित करने पर रोक

जयपुर (कासं)। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से चयनित शिक्षकों के पदस्थापन के चलते पहले से कार्यरत शिक्षकों को सरप्लस घोषित कर अन्य राजकीय विद्यालयों में पदस्थापित करने वाले आदेशों की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने अपीलार्थियों को उनके समायोजन से पूर्व के स्कूल में ही कार्यग्रहण करवाने का निर्देश दिया है। अधिकरण ने यह आदेश रुपेश भट्ट, यशेष शर्मा व अन्य की अपील पर दिए।

अपील में अधिवक्ता एसके सिंगोदिया ने बताया कि कुछ अपीलार्थियों का प्रारम्भिक शिक्षा से माध्यमिक शिक्षा में सेटअप परिवर्तन भी नहीं हुआ, लेकिन फिर भी उन्हें माध्यमिक शिक्षा के विद्यालयों में नियम विरुद्ध पदस्थापित किया है। वहीं कुछ शिक्षकों को उनके कार्यरत ब्लॉक में पद खाली होने के बावजूद भी दूर जगहों पर भेजा है। जबकि विभाग के दिशा निर्देशों के अनुसार उन्हें उसी ब्लॉक में पदस्थापित किया जाना चाहिए था। इसके अलावा विभाग के निर्देश के अनुसार जो विद्यालय क्रमोन्नत हुए हैं और उनमें प्रारम्भिक शिक्षा के कार्मिक थे, उनका समायोजन माध्यमिक शिक्षा में नहीं कर प्रारम्भिक शिक्षा में ही होना है।

- **अधिकरण ने अपीलार्थियों को उनके समायोजन से पूर्व के स्कूल में ही कार्यग्रहण करवाने का निर्देश दिया है।**

इसके अलावा अपीलार्थियों की आपत्तियों का निस्तारण भी नहीं हो पाया है और इसकी तारीख भी विभाग ने बढाई है। ऐसे में उन्हें अन्य राजकीय स्कूलों में पदस्थापित करने वाले आदेशों की क्रियांविति पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने अपीलार्थियों को अन्य स्कूल में पदस्थापित करने पर रोक लगा दी है।

चित्तौडगढ़ सांसद सी.पी. जोशी मिले मुख्यमंत्री से

जयपुर (कासं)। चित्तौड़गढ़ जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहाँ गूगल मैप के मार्गदर्शन के कारण वाहन बनास नदी की टूटी हुई पुलिया में बह गया। इस हृदयविदारक हादसे में एक ही परिवार के लोगों की असमय मृत्यु हो गई। सांसद सी.पी. जोशी ने इस घटना की जानकारी मिलते ही संवेदनशीलता दिखाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके जयपुर स्थित निवास पर मिले और पूरी घटना से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को समझते हुए मुख्यमंत्री ने प्रशासन से बात कर तत्काल पीड़ित परिवार को हर संभव शीघ्र राहत पहुँचाने के निर्देश दिए। सांसद जोशी ने हादसे को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि एक ही परिवार के सदस्यों का इस तरह अकाल निधन होना बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की और आश्वासन दिया कि प्रशासन द्वारा त्वरित राहत उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पूर्व सांसद सीपी जोशी ने जिले के जिला कलेक्टर और स्थानीय प्रशासन से तत्काल वार्ता कर पीड़ित परिवार को हर संभव शीघ्र राहत पहुँचाने के निर्देश दिए। साथ ही लापता बच्ची को भी शीघ्र ढूंढने के लिए एनडीआरएफ की टीम से भी बात की। स्थानीय विधायक अर्जुनलाल जीनगर ने भी मौके पर पहुंच कर जायजा लिया और मदद का आश्वासन दिया।

डॉ. राजेश व्यास को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पुरस्कार मिला

देशभर में चर्चित रही कृति कलाओं की अंतर्दृष्टि पुस्तक पर भोपाल में मिला सम्मान

डॉ. राजेश कुमार व्यास

जयपुर (कासं)। मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी द्वारा आलोचना के क्षेत्र में प्रदत्त किया जाने वाला अखिल भारतीय आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पुरस्कार भोपाल में आयोजित विशेष समारोह में सुप्रसिद्ध संस्कृतिकर्मी, कवि, आलोचक और निबंधकार तथा राजभवन मे अतिरिक्त निदेशक डॉ. राजेश कुमार व्यास को प्रदान किया गया। वर्ष 2023 के लिए घोषित यह पुरस्कार डॉ. व्यास को उनकी देशभर में चर्चित रही कृति कलाओं की अंतर्दृष्टि पर प्रदान किया गया। साहित्य अकादेमी के सर्वोच्च सम्मान, राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादेमी के सर्वोच्च सूर्यमल शिखर सम्मान, भारत सरकार के प्रतिष्ठित राहुल सांकृत्यायन, भाषा एवं पुस्तकालय विभाग द्वारा हिन्दी सेवी आदि बहुत से पुरस्कारों से सम्मानित डॉ. व्यास की 25 मौलिक कृतियां प्रकाशित हैं।

डॉ. व्यास की पुरस्कृत कलाओं की अंतर्दृष्टि पुस्तक भारतीय संस्कृति और कलाओं के अनछुए पहलुओं में साहित्य, संगीत, नृत्य, नाट्यय, चित्रकला आदि की भारतीय दृष्टि के आंतरिक संसार से परिचय कराती है। कला-संस्कृति की हमारी दृष्टि पर विदेशी प्रभाव के कारण प्राय: पश्चिम के सिद्धान्तों, अवधारणाओं में ही भारतीय संस्कृति और कलाएं समझी और परखी जाती रही है। यह पुस्तक इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि इसमें भारतीय संस्कृति की अंतर्दृष्टि पर मौलिक चिंतन और मनन के साथ गहन विश्लेषण है। भारतीय संस्कृति के सूक्ष्म तत्वों में ले जाते हुए लेखक ने पुस्तक में भरतमुनि के नाट्यशास्त्र, विष्णुधर्मोत्तर पुराण, शुक्रनीति आदि के महत्वपूर्ण संदर्भ दिए है। इसमें कला-संस्कृति के अन्त: संबंधों की विचार विरासत पर लेखक की मौलिक स्थापनाएं हैं।

'अखाद्य तेल की कीमतों में आ रहे उछाल से 10 रु. किलो तक महंगा हो सकता है साबुन'

जयपुर। तेल की अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों में अचानक आई तेजी से उपभोक्ताओं पर महंगाई का नया बोझ पड़ने वाला है। बीते कुछ दिनों में अखाद्य (औद्योगिक उपयोग के) तेल की कीमतों में औसतन 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे न केवल घर का बजट बिगड़ेगा, बल्कि रोज़मर्रा के उपभोग वाले उत्पादों की लागत पर भी सीधा असर पडेगा।

इस विषय में ओसवाल सोप ग्रुप के निदेशक अजय जैन का मानना है कि तेल से जुड़े उद्योग जैसे साबुन, डिटर्जेंट, कॉस्मेटिक्स उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ने से बाजार में इनके दाम 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ सकते हैं। पहले से ही महंगाई से जूझ रहे उपभोक्ताओं को आने वाले समय में जरूरी सामान और महंगे होने की संभावना है।

जैन ने कहा कि नेपाल से आयातित तैयार माल ड्यूटी फ्री होने की वजह से

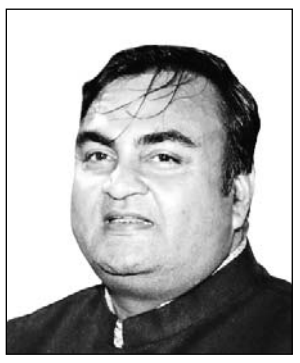

ओसवाल सोप ग्रुप निदेशक अजय जैन

- **ओसवाल ग्रुप के निदेशक अजय जैन ने कहा कि ''इंपोर्ट-एक्सपोर्ट टैक्स में असंगति भी इस महंगाई के लिए जिम्मेदार है।''**

और यहां की मिलों में उत्पादन लगत अधिक होने से माल महंगा बैठ रहा है । ये स्थिति सरकार की इम्पोर्ट एवं एक्सपोर्ट टैक्स की विसंगति की वजह से उत्पन्न हो रही है। जैन ने बताया कि अगर यह स्थिति लंबे समय तक जारी रही तो देश के और अधिक परिवार प्रभावित होंगे। विशेष रूप से निचले आय वर्ग के लोग सबसे ज्यादा दबाव में आएंगे। इससे न केवल उपभोक्ताओं की क्रय क्षमता घटेगी, बल्कि भारत की समग्र अर्थ व्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। वहीं कच्चे तेल व आयात लागत पर नियंत्रण नहीं हुआ तो आने वाले महीनों में महंगाई दर भी और अधिक बढ़ सकती है। सरकार और उद्योग जगत से उम्मीद की जा रही है कि उपभोक्ताओं पर बोझ कम करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएँ।

2000 से अधिक महिलाओं को मिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण

जयपुर। राजस्थान पुलिस विभाग और राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के संयुक्त सहयोग से एक दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएँ और सुरक्षा सखियाँ शामिल हुई।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए सक्षम बनाना हैं।

प्रशिक्षण में महिलाओं को रोजमर्रा की जिंदगी में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों जैसे अवांछित स्पर्श, और उत्पीडन से बचाव के लिए आवश्यक तकनीकें सिखाई गईं। प्रशिक्षकों ने न केवल सैद्धांतिक जानकारी दी बल्कि व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। कई प्रतिभागियों ने मंच पर आकर इन तकनीकों को आज़माया और आत्मरक्षा के महत्व को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया।

प्रशिक्षण के दौरान जयपुर पुलिस द्वारा राजकॉप ऐप का परिचय कराया गया। इस ऐप को महिलाओं के लिए 247 सुरक्षा कवच के रूप में प्रस्तुत किया गया। मंच पर एक प्रतिभागी महिला को बुलाकर लाइव डेमो कराया गया, जिसमें नीड हेल्प बटन दबाते ही कुछ ही मिनटों में पुलिस सहायता केंद्र से कॉल रिस्पॉन्स प्राप्त हुआ। इस सफल प्रदर्शन ने उपस्थित महिलाओं में आत्मविश्वास जगाया और सभी प्रतिभागियों ने ऐप डाउनलोड किया।

पुलिस विभाग के प्रतिनिधियों ने महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों की जानकारी साझा की। वक्ताओं ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा केवल कानूनी ढांचे तक सीमित नहीं है बल्कि सामुदायिक जागरूकता और महिला सशक्तिकरण से भी जुडी हुई है।

'आगामी रबी सीजन में किसानों को मिले व्यवधान रहित बिजली'

ऊर्जा मंत्री ने की विद्युत वितरण निगमों की समीक्षा

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बुधवार को प्रदेश के विद्युत वितरण निगमों की बैठक ली।

जयपुर। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने प्रदेश के विद्युत वितरण निगमों को आगामी रबी सीजन में किसानों को व्यवधान रहित बिजली आपूर्ति का अभी से समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए समय रहते विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करने के सभी उपाय सुनिश्चित किए जाएं।

नागर बुधवार को विद्युत भवन में वीडियो कांफ्रेंस के जरिए जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगमों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने डिस्कॉम्स के प्रबंध निदेशकों को बिजली की छीजत कम करने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। श्री नागर ने कहा कि डिस्कॉम्स अधिक डिस्ट्रिब्यूशन लॉसेज वाले क्षेत्र चिन्हित कर उसे कम करने के प्रभावी उपाय अमल में लाएं और इसकी गहन मॉनीटरिंग करें। हाई लॉस वाले फीडरों में विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करने के साथ ही डिफेक्टिव मीटर बदलने, अवैध ट्रांसफॉर्मर जब्त करने सहित विजिलेंस गतिविधियों को भी बढ़ाने के निर्देश दिए। नागर ने कहा कि छीजत कम करने के लक्ष्यों की प्राप्ति में लापरवाही बरतने वाले अभियंताओं के खिलाफ कार्यवाही करें।

- **जुलाई में डिस्कॉम्स ने अर्जित किया 4 साल का सर्वाधिक राजस्व : डोगरा**

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आमजन की नजर में डिस्कॉम्स की छवि बेहतर बनाने के लिए जरूरी है कि बिजली की व्यवधान रहित आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही आवेदकों को सुगमता से विद्युत कनेक्शन जारी किए जाएं और नो करेंट की स्थिति में एफआरटी की बेहतर सेवाएं मिलें। उन्होंने एक माह से पुरानी विद्युत कनेक्शनों की पेंडेंसी को खत्म करने के निर्देश दिए और कहा कि जो कार्मिक बेवजह कनेक्शन जारी करने में देरी करते हैं,उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। नागर ने कहा कि एफआरटी कार्मिकों की बॉयोमैट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एफआरटी सेवा के बेहतर संचालन के लिए नियमित रूप से एफआरटी वाहनों के निरीक्षण, जीपीएस से वाहनों की ट्रैकिंग आदि के भी निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री ने इस दौरान आरडीएसएस योजना के तहत तीनों डिस्कॉम में किए जा रहे कार्यों, डिफेक्टिव मीटर बदलने सहित अन्य गतिविधियों की भी समीक्षा की।

बैठक के दौरान ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने निर्देश दिए कि वितरण निगम अन्य राज्यों की बेस्ट प्रेक्टिसेज का अध्ययन कर लॉसेज में कमी लाएं और यह सुनिश्चित करें कि उपभोक्ताओं को बिजली बेहतर मिले। चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा ने तीनों डिस्कॉम्स की ओर से प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जुलाई माह में तीनों डिस्कॉम्स ने बीते 4 वर्ष का सर्वाधिक राजस्व अर्जित किया है। जयपुर डिस्कॉम के 8 सर्किलों ने विशेष प्रयास कर डिफेक्टिव मीटर की संख्या शून्य कर दी है। उन्होंने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में जुलाई माह तक तीनों निगमों में 1 लाख 99 घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी किए गए हैं। जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल तथा अजमेर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक केपी वर्मा ने भी प्रगति से अवगत कराया।

महिला सफाई कर्मचारी के पति का कैंसर ऑपरेशन आर.जी.एच.एस. के तहत कैशलेस कराने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अलवर में कार्यरत महिला सफाई कर्मी को राहत देते हुए उसके कैंसरग्रस्त पति का ऑपरेशन आर.जी.एच.एस. योजना के तहत कैशलेस कराने के आदेश दिए हैं। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह अंतरिम आदेश रेखा की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा है कि मामले की तात्कालिकता को देखते हुए यह आदेश दिए जा रहे हैं। यह आदेश उसी सूरत में लागू होगा, जब याचिकाकर्ता यह शपथ पत्र देगी कि यदि याचिका खारिज होती है तो वह इलाज में हुए सभी खर्च के लिए जिम्मेदार होगी। याचिका में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता अलवर नगर निगम में सफाई कर्मचारी के तौर पर कार्यरत है। वह राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना यानि आरजीएचएस की लाभार्थी है। योजना के तहत उसके वेतन से स्वत ही संबंधित राशि की कटौती होती है।

- **अदालत ने कहा है कि मामले की तात्कालिकता को देखते हुए यह आदेश दिए जा रहे हैं। यह आदेश उसी सूरत में लागू होगा, जब याचिकाकर्ता यह शपथ पत्र देगी कि यदि याचिका खारिज होती है तो वह इलाज में हुए सभी खर्च के लिए जिम्मेदार होगी।**

विभाग ने उसके खाते से आरजीएचएस से जुड़ी राशि काट ली, लेकिन प्रक्रिया में त्रुटि के चलते वह सक्षम अधिकारी तक नहीं पहुंची। याचिका में कहा गया कि उसका पति कैंसर से पीडित है और निकट भविष्य में उसका ऑपरेशन होना है। आरजीएचएस की कैशलेस सुविधा नहीं मिलने के कारण उसके पति के इलाज में बाधा उत्पन्न हो रही है। इसलिए राज्य सरकार को निर्देश दिए जाए कि वह उसके पति का आरजीएचएस के तहत कैशलेस इलाज कराना सुनिश्चित करे। इसके जवाब में राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि प्रीमियम जमा होने के बाद कार्ड को सक्रिय होने में तीन माह का समय लगता है। यह अवधि पूरी नहीं होने के कारण याचिकाकर्ता को कैशलेस की सुविधा नहीं दी जा सकती। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने राज्य सरकार को कैशलेस इलाज कराने के निर्देश देते हुए याचिकाकर्ता को शपथ पत्र पेश करने को कहा है।

सरकार देगी 298 करोड़ रु.अनुदान

जयपुर। किसानों को आर्थिक संबल देने के साथ ही कृषि गतिविधियों का प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार कृत-संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति - 2019 के तहत लम्बित प्रकरणों को निस्तारित करते हुए 298 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय से प्रदेश की लगभग 855 कृषि प्रसंस्करण ईकाइयों को पूंजी निवेश, ब्याज, सौर ऊर्जा संयंत्र और विद्युत प्रभार अनुदान के साथ ही भाड़ा अनुदान दिया जाएगा। इस राशि का सम्पूर्ण भुगतान कृषक कल्याण कोष से राज किसान पोर्टल और आरपीपी के माध्यम से किया जाएगा।